अमर उजाला 30/8/26

पंडित मोहन लाल के आदर्शों पर चलने का लिया संकल्प

चंडीगढ़। सेक्टर-32 के एसडी कॉलेज में पंजाब के पूर्व मंत्री और कॉलेज सोसाइटी के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. पंडित मोहन लाल की 27वीं पुण्यतिथि पर प्रार्थना सभा आयोजित की गई। पंडित मोहन लाल के शिक्षा और समाज के लिए किए गए कार्यों को याद कर उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया गया। कॉलेज सोसाइटी की अध्यक्ष वैशाली शर्मा, उपाध्यक्ष डॉ. सिद्धार्थ शर्मा, प्राचार्य डॉ. अजय शर्मा मौजूद रहे। संवाद

अर्थ प्रकाश 30/8/2026

जीजीडीएसडी कॉलेज में प्रार्थना सभा आयोजित

पुण्यतिथि पर श्रद्धा से याद किए पंडित मोहन लाल

शिक्षा और समाजसेवा के पुरोधा पंडित मोहन लाल को 27वीं पुण्यतिथि पर दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

अर्थ प्रकाश/साजन शर्मा

चंडीगढ़। कुछ लोग अपने समय में जीते हैं, लेकिन उनकी सोच आने वाली पीढ़ियों का रास्ता रोशन करती है। पंजाब की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले और शिक्षा के क्षेत्र में संस्थान निर्माण की मजबूत नींव रखने वाले पूर्व गृह, वित्त, उद्योग एवं शिक्षा मंत्री तथा जीजीडीएसडी कॉलेज सोसायटी के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. पंडित मोहन लाल जी ऐसे ही दूरदर्शी व्यक्तित्व थे। उन्होंने राजनीति में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाने के साथ शिक्षा को समाज परिवर्तन का माध्यम बनाया और ऐसे संस्थानों की नींव रखी, जिनसे आज भी पीढ़ियां लाभान्वित हो रही हैं। उनकी 27वीं पुण्यतिथि पर शनिवार को जीजीडीएसडी कॉलेज, सेक्टर-32 में आयोजित प्रार्थना सभा में उन्हें श्रद्धा और कृतज्ञता के साथ याद किया गया।

कार्यक्रम में जीजीडीएसडी कॉलेज सोसायटी की प्रेसिडेंट वैशाली शर्मा, वाइस प्रेसिडेंट डॉ. सिद्धार्थ शर्मा सहित सोसायटी के अन्य सदस्य मौजूद रहे। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया और पंडित मोहन लाल जी के व्यक्तित्व एवं शिक्षा के प्रति उनके समर्पण को याद किया। इस दौरान कॉलेज के विद्यार्थियों, पूर्व [illegible]थियों और सेवानिवृत्त स्टाफ सदस्यों ने भी उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण पंडित मोहन लाल स्मृति व्याख्यान रहा। वरिष्ठ पत्रकार रमेश विनायक ने कहा कि पंडित मोहन लाल जी केवल एक राजनेता नहीं थे, बल्कि दूरदर्शी सोच रखने वाले महान संस्थान निर्माता थे। उन्होंने उन्हें पंजाब का गौरवशाली सपूत बताते हुए कहा कि किसी व्यक्ति की असली विरासत उसके पद से नहीं, बल्कि उन संस्थानों और मूल्यों से तय होती है, जिन्हें वह आने वाली पीढ़ियों के लिए छोड़ जाता है।

चंडीगढ़ सवेरा 30/8/2026

जीजीडीएसडी कॉलेज में प्रार्थना सभा आयोजित, पुण्यतिथि पर याद किया पंडित मोहन लाल को

शिक्षा और समाजसेवा के पुरोधा पंडित मोहन लाल को 27वीं पुण्यतिथि पर दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि, स्मृति व्याख्यान आयोजित

प्रार्थना सभा में उपस्थित छात्र, स्टाफ व प्रिंसिपल।

सवेरा न्यूज/नीना

चंडीगढ़, 29 अगस्त : कुछ लोग अपने समय में जीते हैं, लेकिन उनकी सोच आने वाली पीढ़ियों का रास्ता रोशन करती है। पंजाब की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले और शिक्षा के क्षेत्र में संस्थान निर्माण की मजबूत नींव रखने वाले पूर्व गृह, वित्त, उद्योग एवं शिक्षा मंत्री तथा जीजीडीएसडी कॉलेज सोसायटी के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. पंडित मोहन लाल ऐसे ही दूरदर्शी व्यक्तित्व थे। उन्होंने राजनीति में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाने के साथ शिक्षा को समाज परिवर्तन का माध्यम बनाया और ऐसे संस्थानों की नींव रखी, जिनसे आज भी पीढ़ियां लाभान्वित हो रही हैं।

उनकी 27वीं पुण्यतिथि पर शनिवार को जीजीडीएसडी कॉलेज, सेक्टर-32 में आयोजित प्रार्थना सभा में उन्हें श्रद्धा और कृतज्ञता के साथ याद किया गया। कार्यक्र म में जीजीडीएसडी कॉलेज सोसायटी की प्रेसिडेंट वैशाली शर्मा, वाइस प्रेसिडेंट डॉ. सिद्धार्थ शर्मा सहित सोसायटी के अन्य सदस्य मौजूद रहे। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया और पंडित मोहन लाल के व्यक्तित्व एवं शिक्षा के प्रति उनके समर्पण को याद किया। इस दौरान कॉलेज के विद्यार्थियों, पूर्व विद्यार्थियों और सेवानिवृत्त स्टाफ सदस्यों ने भी उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्र म का मुख्य आकर्षण पंडित मोहन लाल स्मृति व्याख्यान रहा। वरिष्ठ पत्रकार रमेश विनायक ने कहा कि पंडित मोहन लाल जी केवल एक राजनेता नहीं थे, बल्कि दूरदर्शी सोच रखने वाले महान संस्थान निर्माता थे। उन्होंने उन्हें पंजाब का गौरवशाली सपूत बताते हुए कहा कि किसी व्यक्ति की असली विरासत उसके पद से नहीं, बल्कि उन संस्थानों और मूल्यों से तय होती है। जिन्हें वह आने वाली पीढ़ियों के लिए छोड़ जाता है। रमेश विनायक ने कहा कि शिक्षा, संस्थान और तकनीक समाज को बदलने वाली तीन महत्वपूर्ण शक्तियां हैं। पिछले कुछ दशकों में इन क्षेत्रों में हुए बदलावों ने समाज की सोच और लोगों के जीवन को व्यापक रूप से प्रभावित किया है।

भजनों से गूंजा कॉलेज परिसर

स्मृति व्याख्यान के बाद वृंदावन की प्रसिद्ध भजन गायिका आस्था गोस्वामी ने भावपूर्ण भजनों की प्रस्तुति दी। उनकी मधुर आवाज और भक्तिमय प्रस्तुतियों से कॉलेज परिसर आध्यात्मिक वातावरण में डूब गया। उपस्थित लोगों ने श्रद्धा के साथ भजनों का आनंद लिया और पंडित मोहन लाल की स्मृति को नमन किया। कार्यक्र म का समापन लंगर के साथ हुआ। प्रार्थना सभा में ऐसे व्यक्तित्व को श्रद्धांजलि दी गई, जिसकी पहचान केवल राजनीतिक पदों तक सीमित नहीं थी। शिक्षा, संस्थान निर्माण और समाजसेवा के प्रति उनकी सोच ही उनकी वह विरासत है, जो समय बीतने के साथ और अधिक प्रासंगिक होती जा रही है।

जीजीडीएसडी कॉलेज में प्रार्थना सभा आयोजित

शिक्षा और समाजसेवा के पुरोधा पंडित मोहन लाल को 27वीं पुण्यतिथि पर दी भावभीनी श्रद्धांजलि, स्मृति व्याख्यान आयोजित

जीजीडीएसडी कॉलेज में प्रार्थना सभा का दृश्य। (छाया : गुरिंदर सिंह)

चंडीगढ़, 30 अगस्त (विशेष संवाददाता): कुछ लोग अपने समय में जीते हैं, लेकिन उनकी सोच आने वाली पीढ़ियों का रास्ता रोशन करती है। पंजाब की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले और शिक्षा के क्षेत्र में संस्थान निर्माण की मजबूत नींव रखने वाले पूर्व गृह, वित्त, उद्योग एवं शिक्षा मंत्री तथा जीजीडीएसडी कॉलेज सोसायटी के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. पंडित मोहन लाल जी ऐसे ही दूरदर्शी व्यक्तित्व थे। उन्होंने राजनीति में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाने के साथ शिक्षा को समाज परिवर्तन का माध्यम बनाया और ऐसे संस्थानों की नींव रखी, जिनसे आज भी पीढ़ियां लाभान्वित हो रही हैं। उनकी 27वीं पुण्यतिथि पर शनिवार को जीजीडीएसडी कॉलेज, सैक्टर-32 में आयोजित प्रार्थना सभा में उन्हें श्रद्धा और कृतज्ञता के साथ याद किया गया। कार्यक्रम में जीजीडीएसडी कॉलेज सोसायटी की प्रेसिडेंट वैशाली शर्मा, वाइस प्रेसिडेंट डॉ. सिद्धार्थ शर्मा सहित सोसायटी के अन्य सदस्य मौजूद रहे। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया और पंडित मोहन लाल के व्यक्तित्व एवं शिक्षा के प्रति उनके समर्पण को याद किया। इस दौरान कॉलेज के विद्यार्थियों, पूर्व विद्यार्थियों और सेवानिवृत्त स्टाफ सदस्यों ने भी उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण पंडित मोहन लाल स्मृति व्याख्यान रहा। वरिष्ठ पत्रकार रमेश विनायक ने कहा कि पंडित मोहन लाल केवल एक राजनेता नहीं थे, बल्कि दूरदर्शी सोच रखने वाले महान संस्थान निर्माता थे। उन्होंने उन्हें पंजाब का गौरवशाली सपूत बताते हुए कहा कि किसी व्यक्ति की असली विरासत उसके पद से नहीं, बल्कि उन संस्थानों और मूल्यों से तय होती है, जिन्हें वह आने वाली पीढ़ियों के लिए छोड़ जाता है। रमेश विनायक ने कहा कि शिक्षा, संस्थान और तकनीक समाज को बदलने वाली तीन महत्वपूर्ण शक्तियां हैं। पिछले कुछ दशकों में इन क्षेत्रों में हुए बदलावों ने समाज की सोच और लोगों के जीवन को व्यापक रूप से प्रभावित किया है।

अजीत समाचार
उत्तर भारत का सम्पूर्ण अखबार
31-Aug-2026
Page: 5
https://www.ajitsamachar.com/20260831/20/5/1_1.cms

शिक्षा और समाजसेवा के पुरोधा पंडित मोहन लाल को 27वीं पुण्यतिथि पर दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि, स्मृति व्याख्यान आयोजित

आज समाज नेटवर्क

चंडीगढ़। कुछ लोग अपने समय में जीते हैं, लेकिन उनकी सोच आने वाली पीढ़ियों का रास्ता रोशन करती है। पंजाब की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले और शिक्षा के क्षेत्र में संस्थान निर्माण की मजबूत नींव रखने वाले पूर्व गृह, वित्त, उद्योग एवं शिक्षा मंत्री तथा जीजीडीएसडी कॉलेज सोसायटी के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. पंडित मोहन लाल जी ऐसे ही दूरदर्शी व्यक्तित्व थे।

उन्होंने राजनीति में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाने के साथ शिक्षा को समाज परिवर्तन का माध्यम बनाया और ऐसे संस्थानों की नींव रखी, जिनसे आज भी पीढ़ियां लाभान्वित हो रही हैं। उनकी 27वीं पुण्यतिथि पर शनिवार को जीजीडीएसडी कॉलेज, सेक्टर-32 में आयोजित प्रार्थना सभा में उन्हें श्रद्धा और कृतज्ञता के साथ याद किया गया।

कार्यक्रम में जीजीडीएसडी कॉलेज सोसायटी की प्रेसिडेंट वैशाली शर्मा, वाइस प्रेसिडेंट डॉ. सिद्धार्थ शर्मा सहित सोसायटी के अन्य सदस्य मौजूद रहे। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया और पंडित मोहन लाल जी के व्यक्तित्व एवं शिक्षा के प्रति उनके समर्पण को याद किया। इस दौरान कॉलेज के विद्यार्थियों, पूर्व विद्यार्थियों और सेवानिवृत्त स्टाफ सदस्यों ने भी उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण पंडित मोहन लाल स्मृति व्याख्यान रहा। वरिष्ठ पत्रकार रमेश विनायक ने कहा कि पंडित मोहन लाल जी केवल एक राजनेता नहीं थे, बल्कि दूरदर्शी सोच रखने वाले महान संस्थान निमार्ता थे। उन्होंने उन्हें पंजाब का गौरवशाली सपूत बताते हुए कहा कि किसी व्यक्ति की असली विरासत उसके पद से नहीं, बल्कि उन संस्थानों और मूल्यों से तय होती है, जिन्हें वह आने वाली पीढ़ियों के लिए छोड़ जाता है। रमेश विनायक ने कहा कि शिक्षा, संस्थान और तकनीक समाज को बदलने वाली तीन महत्वपूर्ण शक्तियां हैं। पिछले कुछ दशकों में इन क्षेत्रों में हुए बदलावों ने समाज की सोच और लोगों के जीवन को व्यापक रूप से प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि पंडित मोहन लाल जी ने जिस समय मजबूत शैक्षणिक संस्थानों के निर्माण की दिशा में कदम बढ़ाया, उस समय आने वाले बदलावों और संभावनाओं का अंदाजा लगाना आसान नहीं था। आज उन्हीं दूरदर्शी प्रयासों का लाभ हजारों युवा उठा रहे हैं और अपने सपनों को नई दिशा दे रहे हैं। युवाओं, खासकर जेन जी, को संबोधित करते हुए रमेश विनायक ने कहा कि आज की पीढ़ी के पास सीखने, आगे बढ़ने और अपनी प्रतिभा को दुनिया के सामने रखने के जितने अवसर हैं, वे पहले कभी नहीं रहे। शिक्षा और तकनीक ने युवाओं के लिए संभावनाओं की नई दुनिया खोल दी है। उन्होंने कहा कि भारत के इतिहास में आज युवा होने का यह सबसे अच्छा समय है। उन्होंने युवाओं से उपलब्ध अवसरों का भरपूर लाभ उठाने के साथ समाज और देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मजबूत संस्थान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा किसी भी राष्ट्र की प्रगति की बुनियाद होते हैं और पंडित मोहन लाल जी ने इसी सोच को अपने कार्यों के माध्यम से साकार किया।

भजनों से गूंजा कॉलेज परिसर

स्मृति व्याख्यान के बाद वृंदावन की प्रसिद्ध भजन गायिका आस्था गोस्वामी ने भावपूर्ण भजनों की प्रस्तुति दी। उनकी मधुर आवाज और भक्तिमय प्रस्तुतियों से कॉलेज परिसर आध्यात्मिक वातावरण में डूब गया। उपस्थित लोगों ने श्रद्धा के साथ भजनों का आनंद लिया और पंडित मोहन लाल जी की स्मृति को नमन किया। कार्यक्रम का समापन लंगर के साथ हुआ। प्रार्थना सभा में ऐसे व्यक्तित्व को श्रद्धांजलि दी गई, जिसकी पहचान केवल राजनीतिक पदों तक सीमित नहीं थी। शिक्षा, संस्थान निर्माण और समाजसेवा के प्रति उनकी सोच ही उनकी वह विरासत है, जो समय बीतने के साथ और अधिक प्रासंगिक होती जा रही है।

जीजीडीएसडी कॉलेज में प्रार्थना सभा आयोजित, पुण्यतिथि पर श्रद्धा से याद किए पंडित मोहन लाल

अमूल्या/देवभूमि मिरर

चंडीगढ़। कुछ लोग अपने समय में जीते हैं, लेकिन उनकी सोच आने वाली पीढ़ियों का रास्ता रोशन करती है। पंजाब की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले और शिक्षा के क्षेत्र में संस्थान निर्माण की मजबूत नींव रखने वाले पूर्व गृह, वित्त, उद्योग एवं शिक्षा मंत्री तथा जीजीडीएसडी कॉलेज सोसायटी के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. पंडित मोहन लाल जी ऐसे ही दूरदर्शी व्यक्तित्व थे। उन्होंने राजनीति में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाने के साथ शिक्षा को समाज परिवर्तन का माध्यम बनाया और ऐसे संस्थानों की नींव रखी, जिनसे आज भी पीढ़ियां लाभान्वित हो रही हैं। उनकी 27वीं पुण्यतिथि पर शनिवार को जीजीडीएसडी कॉलेज, सेक्टर-32 में आयोजित प्रार्थना सभा में उन्हें श्रद्धा और कृतज्ञता के साथ याद किया गया। कार्यक्रम में जीजीडीएसडी कॉलेज सोसायटी की प्रेसिडेंट वैशाली शर्मा, वाइस प्रेसिडेंट डॉ. सिद्धार्थ शर्मा सहित सोसायटी के अन्य सदस्य मौजूद रहे। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया और पंडित मोहन लाल जी के व्यक्तित्व एवं शिक्षा के प्रति उनके समर्पण को याद किया। इस दौरान कॉलेज के विद्यार्थियों, पूर्व विद्यार्थियों और सेवानिवृत्त स्टाफ सदस्यों ने भी उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण पंडित मोहन लाल स्मृति व्याख्यान रहा। वरिष्ठ पत्रकार रमेश विनायक ने कहा कि पंडित मोहन लाल जी केवल एक राजनेता नहीं थे, बल्कि दूरदर्शी सोच रखने वाले महान संस्थान निर्माता थे। उन्होंने उन्हें पंजाब का गौरवशाली सपूत बताते हुए कहा कि किसी व्यक्ति की असली विरासत उसके पद से नहीं, बल्कि उन संस्थानों और मूल्यों से तय होती है, जिन्हें वह आने वाली पीढ़ियों के लिए छोड़ जाता है। रमेश विनायक ने कहा कि शिक्षा, संस्थान और तकनीक समाज को बदलने वाली तीन महत्वपूर्ण शक्तियां हैं। पिछले कुछ दशकों में इन क्षेत्रों में हुए बदलावों ने समाज की सोच और लोगों के जीवन को व्यापक रूप से प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि पंडित मोहन लाल जी ने जिस समय मजबूत शैक्षणिक संस्थानों के निर्माण की दिशा में कदम बढ़ाया, उस समय आने वाले बदलावों और संभावनाओं का अंदाजा लगाना आसान नहीं था। आज उन्हीं दूरदर्शी प्रयासों का लाभ हजारों युवा उठा रहे हैं

दैनिक जागरण 30/8/26

पंडित मोहन : एक दूरदर्शी नेता व संस्थान निर्माता

पंडित मोहन की याद में एसडी कालेज सेक्टर-32 में भजन संध्या में प्रस्तुति देते हुए कलाकार • कालेज प्रबंधन

जागरण संवाददाता, चंडीगढ़ : पंडित मोहन लाल, जो पंजाब की राजनीति में एक महत्वपूर्ण व्यक्तित्व थे, ने शिक्षा के क्षेत्र में संस्थान निर्माण की मजबूत नींव रखी। वे पूर्व गृह, वित्त, उद्योग एवं शिक्षा मंत्री और एसडी कालेज सोसायटी के संस्थापक अध्यक्ष थे। उनकी सोच ने आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्ग प्रशस्त किया। उनकी 27वीं पुण्यतिथि पर कालेज सेक्टर-32 में आयोजित प्रार्थना सभा में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस कार्यक्रम में स्मृति व्याख्यान और भजन संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि पत्रकार रमेश विनायक रहे। कालेज सोसायटी की प्रेसिडेंट वैशाली शर्मा, वाइस प्रेसिडेंट डा. सिद्धार्थ शर्मा और अन्य सदस्य भी उपस्थित थे।

प्रिंसिपल डा. अजय शर्मा ने कहा कि पंडित मोहन लाल के योगदान से न केवल रोजगार के अवसर बढ़े हैं, बल्कि हजारों युवाओं को शिक्षा के माध्यम से अपने सपनों को साकार करने का मौका मिला है। कालेज से हर वर्ष सैकड़ों खिलाड़ी और बुद्धिजीवी निकलते हैं, जो देश का नाम रोशन करते हैं। पंडित मोहन लाल का योगदान हमेशा याद रखा जाएगा।

एसडी कालेज सोसायटी के संस्थापक अध्यक्ष डा. पंडित मोहन लाल की स्मृति में आयोजित व्याख्यान के लिए पहुंचे मुख्य अतिथि • कालेज प्रबंधन

दिव्य हिमाचल 30/8/26

जीजीडीएसडी कालेज में याद किए पंडित मोहन लाल

चंडीगढ़। कुछ लोग अपने समय में जीते हैंए लेकिन उनकी सोच आने वाली पीढ़ियों का रास्ता रोशन करती है। पंजाब की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले और शिक्षा के क्षेत्र में संस्थान निर्माण की मजबूत नींव रखने वाले पूर्व गृहए वित्तए उद्योग एवं शिक्षा मंत्री तथा जीजीडीएसडी कॉलेज सोसायटी के संस्थापक अध्यक्ष डा.पंडित मोहन लाल जी ऐसे ही दूरदर्शी व्यक्तित्व थे। उन्होंने राजनीति में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाने के साथ शिक्षा को समाज परिवर्तन का माध्यम बनाया और ऐसे संस्थानों की नींव रखीए जिनसे आज भी पीढ़ियां लाभान्वित हो रही हैं। उनकी 27वीं पुण्यतिथि पर शनिवार को जीजीडीएसडी कॉलेज सेक्टर 32 में आयोजित प्रार्थना सभा में उन्हें श्रद्धा और कृतज्ञता के साथ याद किया गया। कार्यक्रम में जीजीडीएसडी कॉलेज सोसायटी की प्रेजिडेंट वैशाली शर्मा, वाइस प्रेजिडेंट डा. सिद्धार्थ शर्मा सहित सोसायटी के अन्य सदस्य मौजूद रहे। कॉलेज के प्रिंसीपल डा. अजय शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया और पंडित मोहन लाल जी के व्यक्तित्व एवं शिक्षा के प्रति उनके समर्पण को याद किया। इस दौरान कॉलेज के विद्यार्थियोंए पूर्व विद्यार्थियों और सेवानिवृत्त स्टाफसदस्यों ने भी उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण पंडित मोहन लाल स्मृति व्याख्यान रहा।

जीजीडीएसडी कॉलेज में प्रार्थना सभा आयोजित

वैभव न्यूज ▪ चंडीगढ़

कुछ लोग अपने समय में जीते हैं, लेकिन उनकी सोच आने वाली पीढ़ियों का रास्ता रोशन करती है। पंजाब की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले और शिक्षा के क्षेत्र में संस्थान निर्माण की मजबूत नींव रखने वाले पूर्व गृह, वित्त, उद्योग एवं शिक्षा मंत्री तथा जीजीडीएसडी कॉलेज सोसायटी के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. पंडित मोहन लाल जी ऐसे ही दूरदर्शी व्यक्तित्व थे। उन्होंने राजनीति में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाने के साथ शिक्षा को समाज परिवर्तन का माध्यम बनाया और ऐसे संस्थानों की नींव रखी, जिनसे आज भी पीढ़ियां लाभान्वित हो रही हैं। उनकी 27वीं पुण्यतिथि पर शनिवार को जीजीडीएसडी कॉलेज, सेक्टर-32 में आयोजित प्रार्थना सभा में उन्हें श्रद्धा और कृतज्ञता के साथ याद किया गया। कार्यक्रम में जीजीडीएसडी कॉलेज सोसायटी की प्रेसिडेंट वैशाली शर्मा, वाइस प्रेसिडेंट डॉ. सिद्धार्थ शर्मा सहित सोसायटी के अन्य सदस्य मौजूद रहे। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया और पंडित मोहन लाल जी के व्यक्तित्व एवं शिक्षा के प्रति उनके समर्पण को याद किया। इस दौरान कॉलेज के विद्यार्थियों, पूर्व विद्यार्थियों और सेवानिवृत्त स्टाफ सदस्यों ने भी उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण पंडित मोहन लाल स्मृति व्याख्यान रहा। वरिष्ठ पत्रकार रमेश विनायक ने कहा कि पंडित मोहन लाल जी केवल एक राजनेता नहीं थे।

शिक्षा और समाजसेवा के पुरोधा पंडित मोहन लाल को 27वीं पुण्यतिथि पर दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि, स्मृति व्याख्यान आयोजित

जीजीडीएसडी कॉलेज में प्रार्थना सभा आयोजित, पुण्यतिथि पर श्रद्धा से याद किए पंडित मोहन लाल

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

कुछ लोग अपने समय में जीते हैं, लेकिन उनकी सोच आने वाली पीढ़ियों का रास्ता रोशन करती है। पंजाब की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले और शिक्षा के क्षेत्र में संस्थान निर्माण की मजबूत नींव रखने वाले पूर्व गृह, वित्त, उद्योग एवं शिक्षा मंत्री तथा जीजीडीएसडी कॉलेज सोसायटी के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. पंडित मोहन लाल जी ऐसे ही दूरदर्शी व्यक्तित्व थे। उन्होंने राजनीति में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाने के साथ शिक्षा को समाज परिवर्तन का माध्यम बनाया और ऐसे संस्थानों की नींव रखी, जिनसे आज भी पीढ़ियां लाभान्वित हो रही हैं। उनकी 27वीं पुण्यतिथि पर शनिवार को जीजीडीएसडी कॉलेज, सेक्टर-32 में आयोजित प्रार्थना सभा में उन्हें श्रद्धा और कृतज्ञता के साथ याद किया गया।

कार्यक्रम में जीजीडीएसडी कॉलेज सोसायटी की प्रेसिडेंट वैशाली शर्मा, वाइस प्रेसिडेंट डॉ. सिद्धार्थ शर्मा सहित सोसायटी के अन्य सदस्य मौजूद रहे। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया और पंडित मोहन लाल जी के व्यक्तित्व एवं शिक्षा के प्रति उनके समर्पण को याद किया। इस दौरान कॉलेज के विद्यार्थियों, पूर्व विद्यार्थियों और सेवानिवृत्त स्टाफ सदस्यों ने भी उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण पंडित मोहन लाल स्मृति व्याख्यान रहा। वरिष्ठ पत्रकार रमेश विनायक ने कहा कि पंडित मोहन लाल जी केवल एक राजनेता नहीं थे, बल्कि दूरदर्शी सोच रखने वाले महान संस्थान निमार्ता थे। उन्होंने उन्हें पंजाब का गौरवशाली सपूत बताते हुए कहा कि किसी व्यक्ति की असली विरासत उसके पद से नहीं, बल्कि उन संस्थानों और मूल्यों से तय होती है, जिन्हें वह आने वाली पीढ़ियों के लिए छोड़ जाता है। रमेश विनायक ने कहा कि शिक्षा, संस्थान और तकनीक समाज को बदलने वाली तीन महत्वपूर्ण शक्तियां हैं। पिछले कुछ दशकों में इन क्षेत्रों में हुए बदलावों ने समाज की सोच और लोगों के जीवन को व्यापक रूप से प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि पंडित मोहन लाल जी ने जिस समय मजबूत शैक्षणिक संस्थानों के निर्माण की दिशा में कदम बढ़ाया, उस समय आने वाले बदलावों और संभावनाओं का अंदाजा लगाना आसान नहीं था। आज उन्हीं दूरदर्शी प्रयासों का लाभ हजारों युवा उठा रहे हैं और अपने सपनों को नई दिशा दे रहे हैं।

युवाओं, खासकर जेन जी, को संबोधित करते हुए रमेश विनायक ने कहा कि आज की पीढ़ी के पास सीखने, आगे बढ़ने और अपनी प्रतिभा को दुनिया के सामने रखने के जितने अवसर हैं, वे पहले कभी नहीं रहे। शिक्षा और तकनीक ने युवाओं के लिए संभावनाओं की नई दुनिया खोल दी है। उन्होंने कहा कि भारत के इतिहास में आज युवा होने का यह सबसे अच्छा समय है। उन्होंने युवाओं से उपलब्ध अवसरों का भरपूर लाभ उठाने के साथ समाज और देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मजबूत संस्थान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा किसी भी राष्ट्र की प्रगति की बुनियाद होते हैं और पंडित मोहन लाल जी ने इसी सोच को अपने कार्यों के माध्यम से साकार किया।

स्मृति व्याख्यान के बाद वृंदावन की प्रसिद्ध भजन गायिका आस्था गोस्वामी ने भावपूर्ण भजनों की प्रस्तुति दी। उनकी मधुर आवाज और भक्तिमय प्रस्तुतियों से कॉलेज परिसर आध्यात्मिक वातावरण में डूब गया। उपस्थित लोगों ने श्रद्धा के साथ भजनों का आनंद लिया और पंडित मोहन लाल जी की स्मृति को नमन किया। कार्यक्रम का समापन लंगर के साथ हुआ। प्रार्थना सभा में ऐसे व्यक्तित्व को श्रद्धांजलि दी गई, जिसकी पहचान केवल राजनीतिक पदों तक सीमित नहीं थी। शिक्षा, संस्थान निर्माण और समाजसेवा के प्रति उनकी सोच ही उनकी वह विरासत है, जो समय बीतने के साथ और अधिक प्रासंगिक होती जा रही है।

जीजीडीएसडी कॉलेज सेक्टर-32 में प्रार्थना सभा आयोजित, पुण्यतिथि पर श्रद्धा से याद किए पंडित मोहन लाल

शिक्षा और समाजसेवा के पुरोधा पंडित मोहन लाल को 27वीं पुण्यतिथि पर दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि, स्मृति व्याख्यान आयोजित

डेमोक्रेटिक फ्रंट

चंडीगढ़। कुछ लोग अपने समय में जीते हैं, लेकिन उनकी सोच आने वाली पीढ़ियों का रास्ता रोशन करती है। पंजाब की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले और शिक्षा के क्षेत्र में संस्थान निर्माण की मजबूत नींव रखने वाले पूर्व गृह, वित्त, उद्योग एवं शिक्षा मंत्री तथा जीजीडीएसडी कॉलेज सोसायटी के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. पंडित मोहन लाल जी ऐसे ही दूरदर्शी व्यक्तित्व थे। उन्होंने राजनीति में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाने के साथ शिक्षा को समाज परिवर्तन का माध्यम बनाया और ऐसे संस्थानों की नींव रखी, जिनसे आज भी पीढ़ियां लाभान्वित हो रही हैं। उनकी 27वीं पुण्यतिथि पर शनिवार को जीजीडीएसडी कॉलेज, सेक्टर-32 में आयोजित प्रार्थना सभा में उन्हें श्रद्धा और कृतज्ञता के साथ याद किया गया।

कार्यक्रम में जीजीडीएसडी कॉलेज सोसायटी की प्रेसिडेंट वैशाली शर्मा, वाइस प्रेसिडेंट डॉ. सिद्धार्थ शर्मा सहित सोसायटी के अन्य सदस्य मौजूद रहे। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया और पंडित मोहन लाल जी के व्यक्तित्व एवं शिक्षा के प्रति उनके समर्पण को याद किया। इस दौरान कॉलेज के विद्यार्थियों, पूर्व विद्यार्थियों और सेवानिवृत्त स्टाफ सदस्यों ने भी उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण पंडित मोहन लाल स्मृति व्याख्यान रहा। वरिष्ठ पत्रकार रमेश विनायक ने कहा कि पंडित मोहन लाल जी केवल एक राजनेता नहीं थे, बल्कि दूरदर्शी सोच रखने वाले महान संस्थान निर्माता थे। उन्होंने उन्हें पंजाब का गौरवशाली सपूत बताते हुए कहा कि किसी व्यक्ति की असली विरासत उसके पद से नहीं, बल्कि उन संस्थानों और मूल्यों से तय होती है, जिन्हें वह आने वाली पीढ़ियों के लिए छोड़ जाता है। रमेश विनायक ने कहा कि शिक्षा, संस्थान और तकनीक समाज को बदलने वाली तीन महत्वपूर्ण शक्तियां हैं। पिछले कुछ दशकों में इन क्षेत्रों में हुए बदलावों ने समाज की सोच और लोगों के जीवन को व्यापक रूप से प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि पंडित मोहन लाल जी ने जिस समय मजबूत शैक्षणिक संस्थानों के निर्माण की दिशा में कदम बढ़ाया, उस समय आने वाले बदलावों और संभावनाओं का अंदाजा लगाना आसान नहीं था। आज उन्हीं दूरदर्शी प्रयासों का लाभ हजारों युवा उठा रहे हैं और अपने सपनों को नई दिशा दे रहे हैं।

युवाओं, खासकर जेन जी, को संबोधित करते हुए रमेश विनायक ने कहा कि आज की पीढ़ी के पास सीखने, आगे बढ़ने और अपनी प्रतिभा को दुनिया के सामने रखने के जितने अवसर हैं, वे पहले कभी नहीं रहे। शिक्षा और तकनीक ने युवाओं के लिए संभावनाओं की नई दुनिया खोल दी है। उन्होंने कहा कि भारत के इतिहास में आज युवा होने का यह सबसे अच्छा समय है। उन्होंने युवाओं से उपलब्ध अवसरों का भरपूर लाभ उठाने के साथ समाज और देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मजबूत संस्थान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा किसी भी राष्ट्र की प्रगति की बुनियाद होते हैं और पंडित मोहन लाल जी ने इसी सोच को अपने कार्यों के माध्यम से साकार किया।

भजनों से गूंजा कॉलेज परिसर

स्मृति व्याख्यान के बाद वृंदावन की प्रसिद्ध भजन गायिका आस्था गोस्वामी ने भावपूर्ण भजनों की प्रस्तुति दी। उनकी मधुर आवाज और भक्तिमय प्रस्तुतियों से कॉलेज परिसर आध्यात्मिक वातावरण में डूब गया। उपस्थित लोगों ने श्रद्धा के साथ भजनों का आनंद लिया और पंडित मोहन लाल जी की स्मृति को नमन किया।

कार्यक्रम का समापन लंगर के साथ हुआ। प्रार्थना सभा में ऐसे व्यक्तित्व को श्रद्धांजलि दी गई, जिसकी पहचान केवल राजनीतिक पदों तक सीमित नहीं थी। शिक्षा, संस्थान निर्माण और समाजसेवा के प्रति उनकी सोच ही उनकी वह विरासत है, जो समय बीतने के साथ और अधिक प्रासंगिक होती जा रही है।

जीजीडीएसडी कॉलेज में प्रार्थना सभा आयोजित, पुण्यतिथि पर श्रद्धा से याद किए पंडित मोहन लाल

देश प्यार -चंडीगढ़। कुछ लोग अपने समय में जीते हैं, लेकिन उनकी सोच आने वाली पीढ़ियों का रास्ता रोशन करती है। पंजाब की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले और शिक्षा के क्षेत्र में संस्थान निर्माण की मजबूत नींव रखने वाले पूर्व गृह, वित्त, उद्योग एवं शिक्षा मंत्री तथा जीजीडीएसडी कॉलेज सोसायटी के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. पंडित मोहन लाल जी ऐसे ही दूरदर्शी व्यक्तित्व थे। उन्होंने राजनीति में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाने के साथ शिक्षा को समाज परिवर्तन का माध्यम बनाया और ऐसे संस्थानों की नींव रखी, जिनसे आज भी पीढ़ियां लाभान्वित हो रही हैं। उनकी 27वीं पुण्यतिथि पर शनिवार को जीजीडीएसडी कॉलेज, सेक्टर-32 में आयोजित प्रार्थना सभा में उन्हें श्रद्धा और कृतज्ञता के साथ याद किया गया। कार्यक्रम में जीजीडीएसडी कॉलेज सोसायटी की प्रेसिडेंट वैशाली शर्मा, वाइस प्रेसिडेंट डॉ. सिद्धार्थ शर्मा सहित सोसायटी के अन्य सदस्य मौजूद रहे। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया और पंडित मोहन लाल जी के व्यक्तित्व एवं शिक्षा के प्रति उनके समर्पण को याद किया। इस दौरान कॉलेज के विद्यार्थियों, पूर्व विद्यार्थियों और सेवानिवृत्त स्टाफ सदस्यों ने भी उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण पंडित मोहन लाल स्मृति व्याख्यान रहा। वरिष्ठ पत्रकार रमेश विनायक ने कहा कि पंडित मोहन लाल जी केवल एक राजनेता नहीं थे, बल्कि दूरदर्शी सोच रखने वाले महान संस्थान निर्माता थे।पिछले कुछ दशकों में इन क्षेत्रों में हुए बदलावों ने समाज की सोच और लोगों के जीवन को व्यापक रूप से प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि पंडित मोहन लाल जी ने जिस समय मजबूत शैक्षणिक संस्थानों के निर्माण की दिशा में कदम बढ़ाया, उस समय आने वाले बदलावों और संभावनाओं का अंदाजा लगाना आसान नहीं था।

भजनों से गूंजा कॉलेज परिसर

स्मृति व्याख्यान के बाद वृंदावन की प्रसिद्ध भजन गायिका आस्था गोस्वामी ने भावपूर्ण भजनों की प्रस्तुति दी। उनकी मधुर आवाज और भक्तिमय प्रस्तुतियों से कॉलेज परिसर आध्यात्मिक वातावरण में डूब गया।शिक्षा, संस्थान निर्माण और समाजसेवा के प्रति उनकी सोच ही उनकी वह विरासत है, जो समय बीतने के साथ और अधिक प्रासंगिक होती जा रही है।

जीजीडीएसडी कॉलेज में प्रार्थना सभा आयोजित
पुण्यतिथि पर श्रद्धा से याद किए पंडित मोहन लाल

फास्ट मीडिया/चंडीगढ़/अंजू मोदगिल। कुछ लोग अपने समय में जीते हैं, लेकिन उनकी सोच आने वाली पीढ़ियों का रास्ता रोशन करती है। पंजाब की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले और शिक्षा के क्षेत्र में संस्थान निर्माण की मजबूत नींव रखने वाले पूर्व गृह, वित्त, उद्योग एवं शिक्षा मंत्री तथा जीजीडीएसडी कॉलेज सोसायटी के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. पंडित मोहन लाल जी ऐसे ही दूरदर्शी व्यक्तित्व थे। उन्होंने राजनीति में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाने के साथ शिक्षा को समाज परिवर्तन का माध्यम बनाया और ऐसे संस्थानों की नींव रखी, जिनसे आज भी पीढ़ियां लाभान्वित हो रही हैं। उनकी 27वीं पुण्यतिथि पर शनिवार को जीजीडीएसडी कॉलेज, सेक्टर-32 में आयोजित प्रार्थना सभा में उन्हें श्रद्धा और कृतज्ञता के साथ याद किया गया। कार्यक्रम में जीजीडीएसडी कॉलेज सोसायटी की प्रेसिडेंट वैशाली शर्मा, वाइस प्रेसिडेंट डॉ. सिद्धार्थ शर्मा सहित सोसायटी के अन्य सदस्य मौजूद रहे। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया और पंडित मोहन लाल जी के व्यक्तित्व एवं शिक्षा के प्रति उनके समर्पण को याद किया। इस दौरान कॉलेज के विद्यार्थियों, पूर्व विद्यार्थियों और सेवानिवृत्त स्टाफ सदस्यों ने भी उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण पंडित मोहन लाल स्मृति व्याख्यान रहा। वरिष्ठ पत्रकार रमेश विनायक ने कहा कि पंडित मोहन लाल जी केवल एक राजनेता नहीं थे, बल्कि दूरदर्शी सोच रखने वाले महान संस्थान निर्माता थे। उन्होंने उन्हें पंजाब का गौरवशाली सपूत बताते हुए कहा कि किसी व्यक्ति की असली विरासत उसके पद से नहीं, बल्कि उन संस्थानों और मूल्यों से तय होती है, जिन्हें वह आने वाली पीढ़ियों के लिए छोड़ जाता है। रमेश विनायक ने कहा कि शिक्षा, संस्थान और तकनीक समाज को बदलने वाली तीन महत्वपूर्ण शक्तियां हैं। पिछले कुछ दशकों में इन क्षेत्रों में हुए बदलावों ने समाज की सोच और लोगों के जीवन को व्यापक रूप से प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि पंडित मोहन लाल जी ने जिस समय मजबूत शैक्षणिक संस्थानों के निर्माण की दिशा में कदम बढ़ाया, उस समय आने वाले बदलावों और संभावनाओं का अंदाजा लगाना आसान नहीं था। आज उन्हीं दूरदर्शी प्रयासों का लाभ हजारों युवा उठा रहे हैं और अपने सपनों को नई दिशा दे रहे हैं। युवाओं, खासकर जेन जी, को संबोधित करते हुए रमेश विनायक ने कहा कि आज की पीढ़ी के पास सीखने, आगे बढ़ने और अपनी प्रतिभा को दुनिया के सामने रखने के जितने अवसर हैं, वे पहले कभी नहीं रहे। शिक्षा और तकनीक ने युवाओं के लिए संभावनाओं की नई दुनिया खोल दी है। उन्होंने कहा कि भारत के इतिहास में आज युवा होने का यह सबसे अच्छा समय है। उन्होंने युवाओं से उपलब्ध अवसरों का भरपूर लाभ उठाने के साथ समाज और देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझने का आह्वान किया।

जीजीडीएसडी कॉलेज में प्रार्थना सभा आयोजित, पुण्यतिथि पर श्रद्धा से याद किए पंडित मोहन लाल

चंडीगढ़ (हिमप्रभा ब्यूरो)। कुछ लोग अपने समय में जीते हैं, लेकिन उनकी सोच आने वाली पीढ़ियों का रास्ता रोशन करती है। पंजाब की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले और शिक्षा के क्षेत्र में संस्थान निर्माण की मजबूत नींव रखने वाले पूर्व गृह, वित्त, उद्योग एवं शिक्षा मंत्री तथा जीजीडीएसडी कॉलेज सोसायटी के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. पंडित मोहन लाल जी ऐसे ही दूरदर्शी व्यक्तित्व थे। उन्होंने राजनीति में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाने के साथ शिक्षा को समाज परिवर्तन का माध्यम बनाया और ऐसे संस्थानों की नींव रखी, जिनसे आज भी पीढ़ियां लाभान्वित हो रही हैं। उनकी 27वीं पुण्यतिथि पर शनिवार को जीजीडीएसडी कॉलेज, सेक्टर-32 में आयोजित प्रार्थना सभा में उन्हें श्रद्धा और कृतज्ञता के साथ याद किया गया। कार्यक्रम में जीजीडीएसडी कॉलेज सोसायटी की प्रेसिडेंट वैशाली शर्मा, वाइस प्रेसिडेंट डॉ. सिद्धार्थ शर्मा सहित सोसायटी के अन्य सदस्य मौजूद रहे। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया और पंडित मोहन लाल जी के व्यक्तित्व एवं शिक्षा के प्रति उनके समर्पण को याद किया।

इस दौरान कॉलेज के विद्यार्थियों, पूर्व विद्यार्थियों और सेवानिवृत्त स्टाफ सदस्यों ने भी उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण पंडित मोहन लाल स्मृति व्याख्यान रहा। वरिष्ठ पत्रकार रमेश विनायक ने कहा कि पंडित मोहन लाल जी केवल एक राजनेता नहीं थे, बल्कि दूरदर्शी सोच रखने वाले महान संस्थान निर्माता थे। उन्होंने उन्हें पंजाब का गौरवशाली सपूत बताते हुए कहा कि किसी व्यक्ति की असली विरासत उसके पद से नहीं, बल्कि उन संस्थानों और मूल्यों से तय होती है, जिन्हें वह आने वाली पीढ़ियों के लिए छोड़ जाता है। रमेश विनायक ने कहा कि शिक्षा, संस्थान और तकनीक समाज को बदलने वाली तीन महत्वपूर्ण शक्तियां हैं। पिछले कुछ दशकों में इन क्षेत्रों में हुए बदलावों ने समाज की सोच और लोगों के जीवन को व्यापक रूप से प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि पंडित मोहन लाल जी ने जिस समय मजबूत शैक्षणिक संस्थानों के निर्माण की दिशा में कदम बढ़ाया, उस समय आने वाले बदलावों और संभावनाओं का अंदाजा लगाना आसान नहीं था। आज उन्हीं दूरदर्शी प्रयासों का लाभ हजारों युवा उठा रहे हैं और अपने सपनों को नई दिशा दे रहे हैं। युवाओं, खासकर जेन जी, को संबोधित करते हुए रमेश विनायक ने कहा कि आज की पीढ़ी के पास सीखने, आगे बढ़ने और अपनी प्रतिभा को दुनिया के सामने रखने के जितने अवसर हैं, वे पहले कभी नहीं रहे।

शिक्षा और तकनीक ने युवाओं के लिए संभावनाओं की नई दुनिया खोल दी है। उन्होंने कहा कि भारत के इतिहास में आज युवा होने का यह सबसे अच्छा समय है। उन्होंने युवाओं से उपलब्ध अवसरों का भरपूर लाभ उठाने के साथ समाज और देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मजबूत संस्थान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा किसी भी राष्ट्र की प्रगति की बुनियाद होते हैं और पंडित मोहन लाल जी ने इसी सोच को अपने कार्यों के माध्यम से साकार किया।

भजनों से गूंजा कॉलेज परिसर

स्मृति व्याख्यान के बाद वृंदावन की प्रसिद्ध भजन गायिका आस्था गोस्वामी ने भावपूर्ण भजनों की प्रस्तुति दी। उनकी मधुर आवाज और भक्तिमय प्रस्तुतियों से कॉलेज परिसर आध्यात्मिक वातावरण में डूब गया। उपस्थित लोगों ने श्रद्धा के साथ भजनों का आनंद लिया और पंडित मोहन लाल जी की स्मृति को नमन किया। कार्यक्रम का समापन लंगर के साथ हुआ। प्रार्थना सभा में ऐसे व्यक्तित्व को श्रद्धांजलि दी गई, जिसकी पहचान केवल राजनीतिक पदों तक सीमित नहीं थी। शिक्षा, संस्थान निर्माण और समाजसेवा के प्रति उनकी सोच ही उनकी वह विरासत है, जो समय बीतने के साथ और अधिक प्रासंगिक होती जा रही है।

श्रद्धांजलि | **शिक्षा और समाजसेवा के पुरोधा थे पूर्व शिक्षा मंत्री पंडित मोहन लाल**

जीजीडीएसडी कॉलेज में प्रार्थना सभा, पुण्यतिथि पर पंडित मोहन लाल जी को श्रद्धांजलि

जगमाग न्यूज

चंडीगढ़। कुछ लोग अपने समय में जीते हैं, लेकिन उनकी सोच आने वाली पीढ़ियों का रास्ता रोशन करती है। पंजाब की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले और शिक्षा के क्षेत्र में संस्थान निर्माण की मजबूत नींव रखने वाले पूर्व गृह, वित्त, उद्योग एवं शिक्षा मंत्री तथा जीजीडीएसडी कॉलेज सोसायटी के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. पंडित मोहन लाल जी ऐसे ही दूरदर्शी व्यक्तित्व थे। उन्होंने राजनीति में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाने के साथ शिक्षा को समाज परिवर्तन का माध्यम बनाया और ऐसे संस्थानों की नींव रखी, जिनसे आज भी पीढ़ियां लाभान्वित हो रही हैं। उनकी 27वीं पुण्यतिथि पर शनिवार को जीजीडीएसडी कॉलेज, सेक्टर-32 में आयोजित प्रार्थना सभा में उन्हें श्रद्धा और कृतज्ञता के साथ याद किया गया।

कार्यक्रम में जीजीडीएसडी कॉलेज सोसायटी की प्रेसिडेंट वैशाली शर्मा, वाइस प्रेसिडेंट डॉ. सिद्धार्थ शर्मा सहित सोसायटी के अन्य सदस्य मौजूद रहे। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया और पंडित मोहन लाल जी के व्यक्तित्व एवं शिक्षा के प्रति उनके समर्पण को याद किया। इस दौरान कॉलेज के विद्यार्थियों, पूर्व विद्यार्थियों और सेवानिवृत्त स्टाफ सदस्यों ने भी उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण पंडित मोहन लाल स्मृति व्याख्यान रहा। वरिष्ठ पत्रकार रमेश विनायक ने कहा कि पंडित मोहन लाल जी केवल एक राजनेता नहीं थे, बल्कि दूरदर्शी सोच रखने वाले महान संस्थान निर्माता थे। उन्होंने उन्हें पंजाब का गौरवशाली सपूत बताते हुए कहा कि किसी व्यक्ति की असली विरासत उसके पद से नहीं, बल्कि उन संस्थानों और मूल्यों से तय होती है, जिन्हें वह आने वाली पीढ़ियों के लिए छोड़ जाता है। रमेश विनायक ने कहा कि शिक्षा, संस्थान और तकनीक समाज को बदलने वाली तीन महत्वपूर्ण शक्तियां हैं। पिछले कुछ दशकों में इन क्षेत्रों में हुए बदलावों ने समाज की सोच और लोगों के जीवन को व्यापक रूप से प्रभावित किया है। आज उन्हीं दूरदर्शी प्रयासों का लाभ हजारों युवा उठा रहे हैं और अपने सपनों को नई दिशा दे रहे हैं। युवाओं, खासकर जेन जी, को संबोधित करते हुए रमेश विनायक ने कहा कि आज की पीढ़ी के पास सीखने, आगे बढ़ने और अपनी प्रतिभा को दुनिया के सामने रखने के जितने अवसर हैं, वे पहले कभी नहीं रहे। शिक्षा और तकनीक ने युवाओं के लिए संभावनाओं की नई दुनिया खोल दी है। उन्होंने कहा कि मजबूत संस्थान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा किसी भी राष्ट्र की प्रगति की बुनियाद होते हैं और पंडित मोहन लाल जी ने इसी सोच को अपने कार्यों के माध्यम से साकार किया।

भजनों से गूंजा कॉलेज परिसर

स्मृति व्याख्यान के बाद वृंदावन की प्रसिद्ध भजन गायिका आस्था गोस्वामी ने भावपूर्ण भजनों की प्रस्तुति दी। उनकी मधुर आवाज और भक्तिमय प्रस्तुतियों से कॉलेज परिसर आध्यात्मिक वातावरण में डूब गया। उपस्थित लोगों ने श्रद्धा के साथ भजनों का आनंद लिया और पंडित मोहन लाल जी की स्मृति को नमन किया। कार्यक्रम का समापन लंगर के साथ हुआ। प्रार्थना सभा में ऐसे व्यक्तित्व को श्रद्धांजलि दी गई, जिसकी पहचान केवल राजनीतिक पदों तक सीमित नहीं थी। शिक्षा, संस्थान निर्माण और समाजसेवा के प्रति उनकी सोच ही उनकी वह विरासत है, जो समय बीतने के साथ और अधिक प्रासंगिक होती जा रही है।

चंडीगढ़ केसरी 31/8/2026

शिक्षा और समाजसेवा के पुरोधा की पुण्यतिथि पर दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

कालेज परिसर में भजन गायिका आस्था गोस्वामी भजन प्रस्तुति करती हुई। *(परमजीत)*

चंडीगढ़,30 अगस्त (आशीष): पंजाब के पूर्व गृह, वित्त, उद्योग एवं शिक्षा मंत्री तथा जी.जी.डी.एस.डी. कॉलेज सोसायटी के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. पंडित मोहन लाल की 27वीं पुण्यतिथि पर कॉलेज परिसर में आयोजित प्रार्थना सभा में उन्हें श्रद्धा और कृतज्ञता के साथ याद किया गया।

सैक्टर 32 स्थित जी.जी.डी.एस.डी. कालेज में आयोजित कार्यक्रम में कॉलेज सोसायटी की प्रैजीडैंट वैशाली शर्मा, वाइस प्रैजीडैंट डॉ. सिद्धार्थ शर्मा सहित सोसायटी के अन्य सदस्य मौजूद रहे। प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया और पंडित मोहन लाल के व्यक्तित्व एवं शिक्षा के प्रति उनके समर्पण को याद किया।

भजनों से गूंजा कॉलेज परिसर : स्मृति व्याख्यान के बाद वृंदावन की प्रसिद्ध भजन गायिका आस्था गोस्वामी ने भावपूर्ण भजनों की प्रस्तुति दी। उनकी मधुर आवाज और भक्तिमय प्रस्तुतियों से कॉलेज परिसर आध्यात्मिक वातावरण में डूब गया। उपस्थित लोगों ने श्रद्धा के साथ भजनों का आनंद लिया और पंडित मोहन लाल की स्मृति को नमन किया। कार्यक्रम का समापन लंगर के साथ हुआ। प्रार्थना सभा में ऐसे व्यक्तित्व को श्रद्धांजलि दी गई।

GGDSD College remembers founder Pandit Mohan Lal

THE SAVERA TIMES NEWS NETWORK

CHANDIGARH: GGDSD College, Sector 32, Chandigarh, held a solemn Prarthana Sabha on Saturday to mark the 27th death anniversary of revered late (Dr) Pandit Mohan Lal Ji, former Punjab minister for Home, Finance, Industry and Education and founder president of the GGDSD College Society.

The programme was attended by GGDSD College Society President Vaishali Sharma, Vice President Dr Siddharth Sharma, distinguished society members, Principal Dr Ajay

Sharma, students, retired staff members and alumni. Dr Sharma delivered the welcome address as participants paid tribute to the statesman and institution builder.

The Pandit Mohan Lal Memorial Lecture was delivered by Ramesh Vinayak, Executive Editor of Hindustan Times, who described Pandit Mohan Lal Ji as "an illustrious son of Punjab" and a great institution builder.

Reflecting on the transformative impact of institutions, education and technology, Vinayak highlighted their role in reshaping society and creating opportunities for successive generations. Addressing Gen Z, he said the vision and efforts of leaders such as Pandit Mohan Lal Ji had helped create opportunities for today's youth, observing that "it is the best time in the history of India to be young today."

GGDSD College hosts 24th blood donation camp

THE SAVERA TIMES NEWS NETWORK

CHANDIGARH: The SD Aadarsh Foundation of GGDSD College, Sector 32-C, Chandigarh, in collaboration with the Red Cross Society, Chandigarh Administration, Lions Club Panchkula Central, GMCH-32 and the Alumni Association SDAAC, organised the college's 24th Blood Donation Camp on Thursday.

Held at the Main Auditorium in memory of Dr Pandit Mohan Lal Ji, founder and first president of the GGDSD College Society, the camp was inaugurated by Chief Guest Ranjeev Dahuja, Director, Berkeley Group of Companies, Chandigarh. Jitender Bhatia, Finance Secretary, GGDSD College Society, Principal Dr Ajay Sharma and Dr Ravneet Kaur, Director-Principal, GMCH-32, were also present.

The camp was organised under the guidance of Dr Ajay Sharma, President, SD Aadarsh Foundation, and Dr Pardip Kumar, NGO Coordinator. Students, staff, alumni and community members participated enthusiastically.